भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 664

28 नवम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्मार्ट सिटी परियोजनाएं

664. श्री आनंद भदौरियाः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 100 स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के अंतर्गत स्मार्ट सिटी की परिभाषा क्या है;

(ख) देश में 100 स्मार्ट शहरों के विकास के लिए इसके आरंभ से लेकर अब तक आबंटित, जारी की गई और उपयोग की गई निधियों का स्मार्ट शहर-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) शहर-वार 100 स्मार्ट शहरों को विकसित करने की लक्षित तिथियां क्या हैं; और

(घ) स्मार्ट शहरों के विकास में विलंब के स्मार्ट शहर-वार क्या कारण हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) जैसा कि स्मार्ट सिटी मिशन के दिशानिर्देशों में कहा गया है, स्मार्ट सिटी की कोई सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा नहीं है। इसका मतलब अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग होता है। इसलिए, स्मार्ट सिटी की अवधारणा शहर-दर-शहर और देश-दर-देश अलग-अलग होती है, जो विकास के स्तर, बदलाव और सुधार की इच्छा, संसाधनों और शहर वासियों की आकांक्षाओं पर निर्भर करती है। स्मार्ट सिटी मिशन के दृष्टिकोण में, उद्देश्य उन शहरों को बढ़ावा देना है जो आधारभूत अवसंरचना प्रदान करते हैं और अपने नागरिकों को एक सम्मानजनक जीवन स्तर, स्वच्छ और सुस्थिर वातावरण और 'स्मार्ट' समाधानों का अनुप्रयोग उपलब्ध कराते हैं। मिशन के कार्यान्वयन के दौरान, शहरों और राज्य सरकारों ने स्मार्ट सिटी के बारे में अपनी समझ और परिभाषा को विकसित किया है।

स्मार्ट शहरों में व्यापक विकास की कुछ विशिष्ट विशेषताओं में, *अन्य बातों के साथ-साथ* , क्षेत्र-आधारित विकास में मिश्रित भूमि उपयोग को बढ़ावा देना; आवास और समावेशिता; पैदल चलने योग्य इलाके बनाना; खुली जगहों को संरक्षित और विकसित करना; परिवहन के विभिन्न विकल्पों को बढ़ावा देना जैसे कि पारगमन उन्मुख विकास **(टीओडी)**, सार्वजनिक परिवहन और अंतिम मील पैरा-ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी; शासन को नागरिक-अनुकूल और लागत प्रभावी बनाना; शहर को उसकी मुख्य आर्थिक गतिविधि के आधार पर एक पहचान देना; और क्षेत्र-आधारित विकास में अवसंरचनाओं और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए स्मार्ट समाधान लागू करना। हालाँकि, शहर अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर कार्यक्रम को कार्यान्वित करते समय इनमें से कुछ विशेषताओं का उपयोग कर सकते हैं।

(ख) स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) के तहत, केंद्र सरकार ने 100 शहरों के लिए कुल 48,000 करोड़ रुपये का परिव्यय रखा है। दिनांक 15.11.2024 तक, केंद्र सरकार ने एससीएम के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 47,225 करोड़ रुपये जारी किए हैं, जिनमें से 44,626 करोड़ रुपये (यानी जारी किए गए कुल केंद्रीय हिस्से का 94%) का उपयोग किया जा चुका है। जारी और उपयोग की गई धनराशि का वर्ष-वार और शहर-वार विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

(ग) दिनांक 15.11.2024 तक, 100 स्मार्ट शहरों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) के तहत, 1,64,669 करोड़ रुपये की राशि की 8,066 परियोजनाओं में कार्य आदेश जारी किए गए हैं, जिनमें से 1,47,366 करोड़ रुपये की राशि की 7,352 परियोजनाएं (यानी कुल परियोजनाओं का 91%) पूरी हो चुकी हैं। तेरह (13) शहरों ने स्मार्ट सिटीज मिशन में अपनी सभी परियोजनाएं पूरी कर ली हैं, इसके बाद अड़तालीस (48) शहरों ने 90% से अधिक परियोजनाएं पूरी की हैं। और अन्य तेईस (23) शहरों ने 75% से अधिक परियोजनाएं पूरी की हैं। 17,303 करोड़ रुपये की राशि की शेष 714 परियोजनाएं वर्तमान में कार्यान्वयन चरण में हैं। विभिन्न राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों से प्राप्त अनुरोध पर, एससीएम की अवधि दिनांक 31 मार्च, 2025 तक बढ़ा दी गई है ।

(घ) यह उल्लेख करना उचित है कि 'भूमि' और कालोनीकरण राज्य के विषय हैं। इसके अलावा, भारतीय संविधान की 12वीं अनुसूची (अनुच्छेद 243डब्ल्यू) के अनुसार, नगर

नियोजन सहित शहरी नियोजन, शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी)/शहरी विकास प्राधिकरणों की जिम्मेदारी है। हालाँकि, भारत सरकार उच्च शहरीकरण को तेज़ आर्थिक विकास की आकांक्षाओं की दिशा में एक अवसर के रूप में देखती है। भारत सरकार योजनाबद्ध उपायों/सलाह के माध्यम से राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है, जबकि परियोजनाओं का कार्यान्वयन संबंधित शहरों द्वारा किया जाता है।

जैसा कि स्मार्ट सिटीज द्वारा अवगत कराया गया है, परियोजनाओं के पूरा होने में देरी के लिए मुख्य रूप से विभिन्न कारण जिम्मेदार हैं, जिनमें *कानूनी* मुद्दे, विभिन्न विभागों से मंजूरी प्राप्त होने में देरी, भूमि अधिग्रहण, पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण, छोटे एवं मझोले शहरों में विक्रेता और संसाधनों की उपलब्धता की चुनौतियां शामिल हैं।

*****

अनुलग्नक

स्मार्ट सिटी परियोजनाएं के संबंध में दिनांक 28.11.2024 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 664 के भाग (ख) का उत्तर

स्मार्ट सिटी परियोजना की शुरुआत से लेकर अब तक देश में 100 स्मार्ट शहरों के विकास के लिए जारी और उपयोग की गई केंद्रीय धनराशि का वर्ष-वार और स्मार्ट सिटी-वार ब्यौरा

(करोड़ रुपए में)

राज्य/शहर	वित्तीय वर्ष 2015-16	वित्तीय वर्ष 2016-17	वित्तीय वर्ष 2017-18	वित्तीय वर्ष 2018-19	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	वित्तीय वर्ष 2024-25	कुल केंद्रीय रिलीज	भारत सरकार के फंड का उपयोग
अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	**0**	**194**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**49**	**0**	**0**	**245**	**242**
पोर्ट ब्लेयर	0	194	2	0	0	0	0	49	0	0	245	242
आंध्र प्रदेश	**380**	**106**	**120**	**568**	**302**	**199**	**199**	**32**	**53**	**21**	**1,979**	**1,840**
अमरावती	0	0	18	372	106	0	0	32	32	0	560	488
काकीनाडा	190	6	0	98	98	98	0	0	0	0	490	485
तिरुपति	2	92	102	0	93	3	101	0	0	0	392	388
विशाखापत्तनम	188	8	0	98	5	98	98	0	21	21	537	479
अरुणाचल प्रदेश	**2**	**0**	**18**	**98**	**100**	**86**	**86**	**98**	**490**	**0**	**978**	**766**
ईटानगर	0	0	0	58	50	43	43	49	245	0	488	344
पासीघाट	2	0	18	40	50	43	43	49	245	0	490	423
असम	**2**	**189**	**5**	**0**	**0**	**0**	**0**	**147**	**147**	**0**	**490**	**490**
गुवाहाटी	2	189	5	0	0	0	0	147	147	0	490	490
बिहार	**6**	**63**	**166**	**275**	**0**	**0**	**272**	**196**	**566**	**144**	**1,688**	**1,582**
भागलपुर	2	63	131	0	0	0	0	98	196	0	490	483
बिहारशरीफ	2	0	0	58	0	0	136	0	67	114	376	317
मुजफ्फरपुर	2	0	17	41	0	0	136	49	181	0	426	419
पटना	0	0	18	176	0	0	0	49	123	31	396	363
चंडीगढ़	**2**	**71**	**123**	**0**	**0**	**0**	**98**	**179**	**17**	**0**	**490**	**490**
चंडीगढ़	2	71	123	0	0	0	98	179	17	0	490	490
छत्तीसगढ़	**4**	**95**	**136**	**142**	**0**	**98**	**69**	**337**	**270**	**202**	**1,352**	**1,249**
अटल नगर	0	0	18	104	0	0	0	121	123	123	488	449
बिलासपुर	2	0	18	38	0	0	69	118	123	61	429	384
रायपुर	2	95	100	0	0	98	0	98	25	18	435	417
दादर और नागर हवेली	**0**	**2**	**0**	**102**	**0**	**0**	**0**	**92**	**196**	**0**	**392**	**386**

राज्य/शहर	वित्तीय वर्ष 2015-16	वित्तीय वर्ष 2016-17	वित्तीय वर्ष 2017-18	वित्तीय वर्ष 2018-19	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	वित्तीय वर्ष 2024-25	कुल केंद्रीय रिलीज	भारत सरकार के फंड का उपयोग
सिल्वासा	0	2	0	102	0	0	0	92	196	0	392	386
दमन और दीव	**0**	**0**	**0**	**110**	**0**	**0**	**0**	**0**	**276**	**0**	**386**	**373**
दीव	0	0	0	110	0	0	0	0	276	0	386	373
दिल्ली	**2**	**194**	**0**	**0**	**0**	**98**	**0**	**49**	**0**	**0**	**343**	**317**
एनडीएमसी	2	194	0	0	0	98	0	49	0	0	343	317
गोवा	**2**	**0**	**110**	**84**	**0**	**0**	**0**	**98**	**98**	**25**	**417**	**387**
पणजी	2	0	110	84	0	0	0	98	98	25	417	387
गुजरात	**12**	**388**	**163**	**713**	**300**	**147**	**392**	**424**	**408**	**0**	**2,947**	**2,820**
अहमदाबाद	2	194	0	98	0	49	49	98	0	0	490	490
दाहोद	2	0	17	167	10	0	98	49	74	0	417	414
गांधीनगर	2	0	18	90	86	0	147	49	98	0	490	451
राजकोट	2	0	19	175	0	49	49	98	98	0	490	488
सूरत	2	194	0	98	204	0	0	32	40	0	570	490
वडोदरा	2	0	109	85	0	49	49	98	98	0	490	487
हरियाणा	**4**	**92**	**119**	**41**	**0**	**166**	**68**	**245**	**172**	**55**	**962**	**844**
फरीदाबाद	2	92	102	0	0	98	0	98	98	0	490	412
करनाल	2	0	17	41	0	68	68	147	74	55	472	432
हिमाचल प्रदेश	**2**	**188**	**24**	**40**	**0**	**117**	**68**	**343**	**196**	**0**	**978**	**934**
धर्मशाला	2	188	6	0	0	49	0	196	49	0	490	462
शिमला	0	0	18	40	0	68	68	147	147	0	488	472
जम्मू और कश्मीर	**0**	**2**	**36**	**80**	**0**	**136**	**136**	**49**	**294**	**61**	**794**	**726**
जम्मू	0	1	18	40	0	68	68	49	147	25	416	385
श्रीनगर	0	1	18	40	0	68	68	0	147	37	379	341
झारखंड	**2**	**92**	**102**	**0**	**196**	**98**	**0**	**0**	**0**	**0**	**490**	**490**
रांची	2	92	102	0	196	98	0	0	0	0	490	490
कर्नाटक	**12**	**388**	**436**	**319**	**223**	**196**	**897**	**637**	**327**	**54**	**3,489**	**3,291**
बेलगावी	2	194	0	0	0	98	98	49	49	0	490	484
बेंगलुरु	0	0	0	58	136	0	98	98	98	0	488	455
दावनगेरे	2	194	0	0	0	0	196	49	49	0	490	475
हुबली- धारवाड़	2	0	109	85	8	0	130	130	106	36	606	461
मंगलुरु	2	0	109	6	79	0	98	98	25	18	435	435
शिवमोगा	2	0	109	85	0	0	179	115	0	0	490	490
तुमकुरु	2	0	109	85	0	98	98	98	0	0	490	490
केरल	**2**	**194**	**18**	**176**	**2**	**0**	**98**	**153**	**265**	**86**	**993**	**928**
कोच्चि	2	194	0	0	2	0	98	55	118	37	505	485

राज्य/शहर	वित्तीय वर्ष 2015-16	वित्तीय वर्ष 2016-17	वित्तीय वर्ष 2017-18	वित्तीय वर्ष 2018-19	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	वित्तीय वर्ष 2024-25	कुल केंद्रीय रिलीज	भारत सरकार के फंड का उपयोग
तिरुवनंतपुरम	0	0	18	176	0	0	0	98	147	49	488	443
लक्षद्वीप	**2**	**0**	**0**	**58**	**0**	**0**	**0**	**123**	**0**	**0**	**183**	**45**
कावारत्ती	2	0	0	58	0	0	0	123	0	0	183	45
मध्य प्रदेश	**386**	**394**	**240**	**339**	**694**	**154**	**186**	**424**	**645**	**49**	**3,510**	**3,373**
भोपाल	188	8	0	98	196	0	0	0	0	0	490	490
ग्वालियर	2	92	102	0	0	0	0	98	147	49	490	466
इंदौर	188	8	0	0	196	98	0	0	0	0	490	490
जबलपुर	2	194	0	0	196	0	0	49	49	0	490	490
सागर	2	0	18	65	0	56	56	147	147	0	490	489
सतना	2	0	18	176	0	0	0	98	196	0	490	480
उज्जैन	2	92	102	0	106	0	130	32	106	0	570	467
महाराष्ट्र	**20**	**818**	**558**	**176**	**119**	**294**	**469**	**612**	**760**	**0**	**3,826**	**3,801**
अमरावती#	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2
औरंगाबाद	2	92	102	0	0	98	0	98	98	0	490	490
ग्रेटर मुंबई#	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2
कल्याण-डोम्बीवली	2	92	102	0	0	0	0	98	196	0	490	468
नागपुर	2	92	102	0	21	0	77	49	110	0	453	453
नासिक	2	92	102	0	0	0	0	49	184	0	429	426
पिंपरी-चिंचवाड़	2	0	18	176	0	98	98	98	0	0	490	490
पुणे	2	194	0	0	98	49	49	98	0	0	490	490
सोलापुर	2	194	0	0	0	49	147	24	74	0	490	490
थाणे	2	62	132	0	0	0	98	98	98	0	490	490
मणिपुर	**2**	**0**	**109**	**6**	**79**	**0**	**0**	**49**	**61**	**46**	**352**	**299**
इम्फाल	2	0	109	6	79	0	0	49	61	46	352	299
मेघालय	**2**	**0**	**0**	**53**	**0**	**0**	**141**	**98**	**147**	**49**	**490**	**401**
शिलांग	2	0	0	53	0	0	141	98	147	49	490	401
मिजोरम	**2**	**0**	**0**	**58**	**0**	**68**	**68**	**0**	**294**	**0**	**490**	**383**
आइजोल	2	0	0	58	0	68	68	0	294	0	490	383
नागालैंड	**2**	**0**	**109**	**6**	**79**	**0**	**0**	**123**	**153**	**18**	**490**	**466**
कोहिमा	2	0	109	6	79	0	0	123	153	18	490	466
ओडिशा	**192**	**6**	**188**	**6**	**204**	**0**	**147**	**196**	**49**	**0**	**988**	**976**
भुवनेश्वर	190	6	0	0	204	0	98	0	0	0	498	490
राउरकेला	2	0	188	6	0	0	49	196	49	0	490	486
पुदुचेरी	**2**	**0**	**98**	**3**	**0**	**8**	**93**	**0**	**64**	**147**	**415**	**266**
पुदुचेरी	2	0	98	3	0	8	93	0	64	147	415	266

राज्य/शहर	वित्तीय वर्ष 2015-16	वित्तीय वर्ष 2016-17	वित्तीय वर्ष 2017-18	वित्तीय वर्ष 2018-19	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	वित्तीय वर्ष 2024-25	कुल केंद्रीय रिलीज	भारत सरकार के फंड का उपयोग
पंजाब	**6**	**194**	**54**	**62**	**35**	**0**	**370**	**441**	**299**	**37**	**1,498**	**1,461**
अमृतसर	2	0	27	31	8	0	136	147	110	37	498	468
जालंधर	2	0	27	31	0	0	136	147	86	0	429	429
लुधियाना	2	194	0	0	0	0	98	147	49	0	490	483
सुल्तानपुर लोधी *	0	0	0	0	27	0	0	0	54	0	81	81
राजस्थान	**353**	**226**	**205**	**0**	**98**	**147**	**637**	**147**	**147**	**0**	**1,960**	**1,883**
अजमेर	2	92	102	0	0	49	147	49	49	0	490	481
जयपुर	188	8	0	0	0	49	147	49	49	0	490	465
कोटा	2	91	103	0	0	0	196	49	49	0	490	448
उदयपुर	161	35	0	0	98	49	147	0	0	0	490	490
सिक्किम	**2**	**0**	**126**	**262**	**0**	**147**	**0**	**172**	**178**	**23**	**909**	**872**
गंगटोक	0	0	17	177	0	49	0	98	147	0	488	465
नामची	2	0	109	85	0	98	0	74	31	23	421	407
तमिलनाडु	**24**	**376**	**520**	**1238**	**302**	**791**	**826**	**1384**	**43**	**0**	**5,504**	**5,339**
चेन्नई	2	188	6	0	106	98	98	61	43	0	602	490
कोयंबटूर	2	188	6	0	98	98	98	0	0	0	490	490
डिंडीगुल #	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2
इरोड	2	0	0	194	0	98	98	98	0	0	490	465
मदुरै	2	0	109	85	0	98	98	98	0	0	490	490
सलेम	2	0	109	85	0	98	98	98	0	0	490	490
तंजावुर	2	0	109	85	0	98	0	196	0	0	490	488
थुथुकुड़ी	2	0	18	176	0	0	98	196	0	0	490	480
तिरुचिरापल्ली	2	0	18	176	0	56	42	196	0	0	490	489
तिरुनेलवेली	2	0	18	176	0	0	98	196	0	0	490	480
तिरुपूर	2	0	18	176	98	49	49	98	0	0	490	487
वेल्लोर	2	0	109	85	0	98	49	147	0	0	490	487
तेलंगाना	**4**	**92**	**18**	**46**	**232**	**0**	**0**	**49**	**190**	**87**	**718**	**632**
ग्रेटर वारंगल	2	92	0	6	96	0	0	0	68	57	320	264
करीमनगर	2	0	18	40	136	0	0	49	123	31	398	368
त्रिपुरा	**2**	**63**	**131**	**0**	**5**	**49**	**0**	**229**	**62**	**0**	**541**	**490**
अगरतला	2	63	131	0	5	49	0	229	62	0	541	490
उत्तर प्रदेश	**24**	**66**	**546**	**698**	**86**	**296**	**1132**	**1225**	**833**	**0**	**4,906**	**4,812**
आगरा	2	0	109	85	0	98	98	98	0	0	490	490
अलीगढ़	2	0	19	89	86	0	98	98	98	0	490	486
बरेली	2	0	0	58	0	0	136	196	98	0	490	485

राज्य/शहर	वित्तीय वर्ष 2015-16	वित्तीय वर्ष 2016-17	वित्तीय वर्ष 2017-18	वित्तीय वर्ष 2018-19	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	वित्तीय वर्ष 2024-25	कुल केंद्रीय रिलीज	भारत सरकार के फंड का उपयोग
गाजियाबाद#	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2
झांसी	2	0	36	22	0	0	234	147	49	0	490	490
कानपुर	2	0	109	85	0	49	49	196	0	0	490	489
लखनऊ	2	66	128	0	0	0	98	98	98	0	490	488
मेरठ/रायबरेली #	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	2	2
मुरादाबाद	2	0	0	58	0	0	136	147	147	0	490	463
प्रयागराज	2	0	17	175	0	51	49	98	98	0	490	476
रामपुर#	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2
सहारनपुर	2	0	17	41	0	0	136	49	245	0	490	448
वाराणसी	2	0	109	85	0	98	98	98	0	0	490	490
उत्तराखंड	**2**	**0**	**18**	**40**	**141**	**52**	**0**	**166**	**119**	**0**	**536**	**484**
देहरादून	2	0	18	40	141	52	0	166	119	0	536	484
पश्चिम बंगाल	**8**	**0**	**0**	**58**	**136**	**0**	**98**	**98**	**98**	**0**	**496**	**490**
बिधाननगर #	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2
दुर्गापुर#	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2
हल्दिया#	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2
न्यू टाउन कोलकाता	2	0	0	58	136	0	98	98	98	0	490	484
कुल योग	**1,469**	**4,493**	**4,498**	**5,857**	**3,332**	**3,346**	**6,549**	**8,663**	**7,915**	**1,104**	**47,225**	**44,626**

दिनांक 15 नवंबर, 2024 तक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार

टिप्पणी:

1. *# का अर्थ है 'स्मार्ट सिटी के रूप में चयनित नहीं हुआ शहर ' (18 करोड़ रुपये)*
2. ** का तात्पर्य सुल्तानपुर लोधी को दी जाने वाली धनराशि से है (81 करोड़ रुपये)*
3. *नवप्रवर्तन, एकीकरण और स्थायित्व हेतु शहरी निवेश (सीआईटीआईआईएस) कार्यक्रम के लिए धनराशि जारी की गई (707 करोड़ रुपये)।*